विचार सासिक पहिल्हा





माह - दिसंबर, 2023, मूल्य : नि:शुल्क

अच्छी खबर

पांच महिलाओं की सफलता की कहानी



Q2L

Funding Partners

accenture

amazon

Bank of America

FOSSIL & FOUNDATION

J.P.Morgan

SCRATCH

Knowledge and Outreach Partners

digital C futures lab

idr

eelei Labs

GUCKING

DEVELOPMENT

START Up

The Bridgespan Group

noole

QUEST 2 LEARN

सम्मान -

'सेवा प्रवाह पुरोधा' सम्मान से कपिल मलैया जी को नवाजा गया जयंती भूण - महिलाओं

प्रशिक्षण - महिलाओं का पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन जयंती -दत्तोपंत ठेंगड़ी जी की जयंती मनाई गई

VIO CHALLES
AT HAVE
APED OUR
VIEV OF
TION
TILITY

योग शिविर -

समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया

बेंगलुरु में क्वेस्ट 2 लर्न वार्षिक शिखर सम्मेलन में आकांक्षा मलैया ने हिस्सा लिया

पदाधिकारी



कपिल मलैया संस्थापक अध्यक्ष



सुनीता अरिहंत कार्यकारी अध्यक्ष



सौरम रांधेलिया ^{आध्यक्ष}



आकांक्षा मलैया सचिव



विनय मलैया कोषाध्यक्ष



नितिन पटैरिया मुख्य संगठक



अरिवलेश समैया मीडिया प्रभारी



हरगोविंद विश्व मार्गदर्शक



रानेश सिंघई



श्रीयाँश जैन मार्गदर्शक



अनिल अवस्थी मार्गदर्शक



गुलझारी लाल **जैन** मार्गदर्शक



अर्चना रांधेलिया मार्गदर्शक



अंशुल **मार्ग**व मार्गदर्शक



डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री मार्गदर्शक

अच्छी खबर

विचार समिति ने 1500 से अधिक महिलाओं को गोमय उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण और स्वरोजगार दिया

58 महिलाओं को स्वरोजगार का प्रशिक्षण दिया, 12 ने शुरू किया खुद का रोजगार

महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, जागरूक करने के लिये विचार समिति ने 1500 से अधिक महिलाओं को गोमय उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण और स्वरोजगार दिया। समिति की सहयोगी संस्थान बैंगलोर की क्वेस्ट एलाइंस ने 58 महिलाओं को स्वरोजगार का प्रशिक्षण दिया, 12 महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ीं। संस्थान क्वेस्ट एलाइंस ने पिछले वर्ष 7 महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 15 हजार रुपए की आर्थिक मदद की थी।



द्रोपती पटैल तिलकगंज

फुल्की बनाने से शुरू किया स्वरोजगार

आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण घर का खर्चा और बच्चों की अच्छी परविरेश नहीं हो पाती थी। मैंने सोचा की कुछ काम मैं भी चालू करूं लेकिन मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूं तब मैं विचार समिति से जुड़ी और स्वरोजगार की ट्रेनिंग के दौरान मुझे समझ में आया कि मैं भी कुछ कर सकती हूं। आज मैं फुल्की बनाने का काम कर रही हूं जिससे मुझे 5 से 6 हजार मासिक आमदनी हो जाती है।

सध्या राय तिलकगंज

दोना-पत्तल बनाकर की स्वरोजगार की शुरुआत

आर्थिक तंगी से परिवार की सामान्य जरूरतें पूरी नहीं हो पाती है, कमाने को पित ही हैं। मैने सिमिति द्वारा स्वरोजगार से जुड़े प्रिशक्षण में हिस्सा लिया। स्वरोजगार क्या है, कैसे करना है, सीखा। पिछले माह से दोना-पत्तल बनाना शुरू किया। मशीन पूरी तरह ओटोमेटिक है। कच्चा बना रोल काट कर रखते जाते है। दोना बनते जाते है। इस कार्य में पूरे परिवार का सहयोग मिलता है। ख़रीदने का एक वर्ष का एग्रीमेंट कम्पनी के साथ है। उसके साथ-साथ स्थानीय दुकानों पर बात की है। 5000 से 10000 रूपये की मासिक आय हो जाती है।



प्रभा साहू भगवानगंज



अनीता चौधरी भगवानगंज



ममता अहिरवार तुलसीनगर

ब्यूटी पार्लर से कमा रहीं 4 से 5 हजार रूपए

शुरू से ही उद्यमिता की राह पर हमेशा से प्रयासरत् रहीं है। समिति द्वारा प्रशिक्षण में मैंने अपनी रुचियों को और बेहतर तरीकों से जाना। मैंने ब्यूटी पार्लर से स्वरोजगार स्थापित किया है। जिसमें 4-5 हजार रूपये प्रति माह कमा लेती हूं। इसके अलावा शादियां के आर्डर मिलते तो कमाई और बढ़ जाती है। इसके साथ-साथ आस-पास की किशोरियों को प्रशिक्षित देती हूं। मुझे बहुत ख़ुशी है कि समिति द्वारा ट्रेनिंग से आज मैं अपने पैर पर खड़ी हं।

जनरल स्टोर और बुटिक को बनाया कमाई का साधन

मैंने एक छोटे से कोने में दुकान की शुरूआत की थी। आज उनकी पूरी दुकान कई आइटम से भरी हुई है। आस-पास के क्षेत्र की महिलाओं को उनकी जरूरत का सामान मिल जाता है। पांच दिवसीय प्रशिक्षण में ग्राहकों की पहचान करना,बाज़ार व्यवस्था, व्यवहार कुशलता को जाना था। सामान्यतः हर आइटम पर 5 से 10 रूपये तक बच जाते हैं। सभी ख़र्चे काटकर माह में 6 से 10000 रूपये तक बच जाते है। प्रशिक्षण से जुड़कर न सिर्फ महिलायें स्वरोजगार से जुड़ीं बल्कि उनके आत्मविश्वास और दुनियादारी के मायनों की समझ विकसित हुई।

आजीविका के लिए खोली साड़ियों की दुकान

आज के समय मैं घर को चलाना बहुत मुश्किल है। केवल एक व्यक्ति की आय से सामान्य जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। इसलिए मैंने समिति द्वारा ट्रेनिंग से जुड़कर साड़ियों की दुकान खोलकर आजीविका के रूप में चुना है। पहले यहां की महिलाओं को साड़ियां लेने बाजार जाना पड़ता था लेकिन अब उन्हें साड़ियों के अलावा पीकू, फॉल, ब्लाउज, अस्तर आदि का कार्य यहीं हो जाता है।

• मेरा लक्ष्य है कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर आर्थिक रूप से सक्षम बनें। इसी उद्देश्य को लेकर विचार समिति द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसका महिलाओं को लाभ भी मिल रहा है। महिलाएं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। समिति द्वारा गोमय परियोजना, हथकरघा एवं अन्य स्थानीय उत्पाद को बढ़ावा दे रही है जो स्वरोजगार के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

कपिल मलैया, अध्यक्ष, विचार समिति

बेंगलुरु में क्वेस्ट 2 लर्न वार्षिक शिखर सम्मेलन में आकांक्षा मलैया ने लिया हिस्सा



विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने जानकारी देते हुए कहा क्वेस्ट एलायंस युवाओं के लिए स्व-शिक्षा को सक्षम करके शिक्षा और कौशल के अंतर को कम करने, शिक्षा प्रौद्योगिकी, नवाचार और सहयोग के माध्यम से सीखने के लिए मजबूती से काम कर कर रहा है।

क्वेस्ट एलायंस द्वारा क्वेस्ट 2 लर्न दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 9 अक्टूबर 2023 बेंगलुरू में सपन्न हुआ। यह आयोजन का छठा संस्करण है। जिसमें भारत में शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के लिए परिवर्तनकारी संभावनाओं और न्यायसंगत, समावेशी शिक्षा के अवसरों पर बड़ी और बेहतर संभावनाओं पर कार्य करना है। शिखर सम्मेलन भारत में काम और सीखने के भविष्य पर चर्चा करने के लिए सरकार, शिक्षकों, डिजाइन विचारकों, कंपनियों, प्रौद्योगिकीविदों और सीएसआर को एक साथ लाता है।

शिखर सम्मेलन में बातचीत से पता चलता है कि शिक्षा प्रौद्योगिकी हमारे देश की शिक्षा और रोजगार संबंधी चुनौतियों का सामना करने में कैसे मदद कर सकती है। प्रगति और जलवायु आपातकाल की स्थिति में अच्छे भविष्य बनाने के लिए क्या करना होगा। विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने जानकारी देते हुए कहा क्वेस्ट एलायंस युवाओं के लिए स्व-शिक्षा को सक्षम करके शिक्षा और कौशल के अंतर को कम करने, शिक्षा प्रौद्योगिकी, नवाचार और सहयोग के माध्यम से सीखने के लिए मजबूती से काम कर कर रहा है। शिखर सम्मेलन में हाशिये पर पड़े लोगों की क्षमता को विकसित करने का प्रयास, युवाओं को वैकल्पिक, एकाधिक और पसंदीदा भविष्य बनाने लिए बारे में सोचना और वैकल्पिक भविष्य की कल्पना करना, भविष्य के संकटों से निपटने के लिए आवश्यक उपकरणों को प्रदान करना है। क्वेस्ट 2 लर्न (क्यू2एल) वार्षिक शिखर सम्मेलन में 200 से अधिक शिक्षकों, डिजाइन विचारकों, प्रौद्योगिकीविदों, नागरिक समाज, सीएसआर और सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

विचार समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया



मैजेस्टिक प्लाजा में योग गुरू डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरथिनम योग कराते हुए।

विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरू डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरथिनम द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारिल्य ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया।

विचार सिमिति अध्यक्ष किपल मलैया ने बताया कि मैं छह माह से डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरिथनम और डॉ. सौरभ भारिल्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था वह कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे परंतु उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। आप सभी से आग्रह है कि इस आयुर्वेद संस्थान से स्वास्थ्य लाभ लें।

चैंकअप कैंप में डॉ. बबीता बशीर, डॉ. सेंथिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज प्रीति जैन, राहुल अहिरवार, अभिषेक मशीह, नीलू सागर, रजनी जैन, सुधीर जैन, मंजू सतभैया, मंजू जैन, आलोक जैन, नरेन्द्र साहू, ज्योति जैन, अनुराग विश्वकर्मा, मयंक जैन, आशीष पाठक, शकुंतला जैन, मुक्ता जैन आदि ने योग शिविर का लाभ उठाया।

व्यवसाय को आत्मविश्वास व प्रसन्नता से किया जाये तो सफलता निश्चित: कपिल मलैया

विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन



महिलाओं को स्वरोजगार का प्रशिक्षण देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया।

विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने मारूति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, ढोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे। स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढ़नी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते है उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकडों उदाहरण हैं जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज वे सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनियां की सभी समस्याओ का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है. लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलेगा।





महिलाओं को सर्टिफिकेट व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया दूसरे चित्र में महिलाओं ने अपने उत्पादों के स्टाल लगाए

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बडी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं। प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक बाजार से जोड़ना भी मुख्य भूमिका में है। हमारा उद्देश्य है कि सभी महिलाएं आत्मविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक जीवनयापन कर सके। कठिन से कठिन परिस्थिति में खुद को समायोजित कर सकें।

क्वेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्वेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रूचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें । उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है। आय एवं व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं।

क्वेस्ट एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल कहते हैं कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सक्षम बनने में मदद करेंगे।

इस अवसर पर संध्या लांबा, यास्मीन बानो, सुषमा पटेल, अंजली पटैल, सुनीता चौरसिया, डाली पटेल, राधा पटेल, रिंकी पटैल, ममता रैकवार, राजकुमारी रैकवार, रजनी मिथलेश विश्वकर्मा, संगीता प्रजापति, अंजना पटैल, ज्योति कुशवाहा, सरोज पटैल, निशा सोनकर, नीतू कुशवाहा, रीना पटैल, नीलम पटैल, इंद्रा पटैल, खुशी अहिरवार, उमा पटैल, आकांक्षा नामदेव, कविता पटैल, प्रीति चौरसिया, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार आदि महिलाओं ने स्वरोजगार का प्रशिक्षण लिया।

डॉ. गौर कौशल विकास मेला में समिति ने लगाया स्वदेशी वस्तुओं का स्टाल



सुनीता अरिहंत ने कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के लिए गोबर से बनी घड़ी भेंट की।

डॉ. हिरिसिंह गौर की 154वीं जयंती के अवसर पर डॉ. गौर कौशल विकास मेला 3.0 का आयोजन 25 एवं 26 नवंबर को गौर पिरसर में किया गया जिसमें विचार सिमित ने गौमय उत्पादों का स्टॉल लगाया। कौशल विकास मेला 3.0 का शुभारभ डॉ. हिरिसिंह गौर विश्वविद्यालय कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता ने करते हुए कहा कि हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवाओं के कौशल विकास पर कार्य कर रही है। आज इस मेले को देखकर लग रहा है की भारत के युवाओं में कौशल की कमी नहीं है। इस मेले में स्थानीय उत्पादों के स्टाल भी लगाये गये है। मेला संयोजक सुशील ने कहा की इस मेले में 22 स्टॉल लगाये गये है। इस अवसर पर विचार सिमित कार्यकारी सुनीता अरिहंत के साथ विचार टीम ने कुलपित प्रो. नीलिमा गुप्ता के लिए गोबर से बनी घडीं भेट की। इस मौके पर ज्योति रैकवार, अरविंद अहिरवार, उमा पटैल, पूजा प्रजापित, आकांक्षा नामदेव आदि उपस्थित थीं।

दिवाली मिलन समारोह आयोजित

समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि दिवाली मिलन समारोह पिछले 6 वर्षों से मनाते आ रहे हैं। मिलन समारोह का उदेश्य यह है कि यह कार्यक्रम अपनों को पास लाता है एवं उनके साथ समय बिताने का मौका मिल जाता है साथ ही स्वदेशी तरीके से दिवाली मिलन समारोह मनाते हैं। समारोह में समिति अध्यक्ष कपिल मलैया के साथ 200 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें डॉक्टर, वकील व्यवसायी, शिक्षक, सेनानी आदि उपस्थित थे।

जयंती : दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने दुनियाभर में श्रमिक आंदोलन को नई दिशा दी



समाज सुधारक दंत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती विचार समिति कार्यलय में मनाई गई।

स्वदेशी जागरण मंच की ओर से कई संगठनों की नींव रखने वाले महान चिंतक, विचारक, दार्शनिक, समाज सुधारक दत्तोपंत ठेंगड़ी की जयंती विचार समिति कार्यलय में मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन कर रहे स्वावलंबी भारत अभियान के प्रान्त टोली सदस्य किपल मलैया ने बताया कि दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने दुनियाभर में श्रमिक आंदोलन को नई दिशा दी है। वह उद्योगों के श्रमीकरण, राष्ट्र के औद्योगीकरण और श्रम के राष्ट्रीयकरण के प्रवर्तक थे। दत्तोपंत ठेंगड़ी के मानवतावादी विचारों को समझना होगा और अर्थव्यवस्था के विभिन्न हितधारकों को साथ लेकर चलना होगा। इसके साथ ही उनकी जीवनी पर भी प्रकाश डाला गया।

जगदीश जारोलिया जिला अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ ने कहा कि आज दुनिया के सामने पर्यावरण, आर्थिक असमानता, आतंकवाद जैसे संकट गहराते जा रहे हैं। विश्व के कुछ देश और वर्ग की अधिनायकत्व वाली प्रवृत्ति के कारण एक ओर जहां संसाधनों का केंद्रीयकरण बढ़ा है, वहीं दूसरी ओर दुनिया के एक बड़े तबके के बीच विकास की कोई पदचाप सुनाई नहीं देती। ऐसे समय में महान चिंतक, दार्शनिक एवं समाज सुधारक दत्तोपंत ठेंगड़ी के विचारों की प्रासंगिकता बढ़ गई है। दत्तोपंत ठेंगड़ी बौद्धिक प्रवर्तक, संगठनकर्ता और दार्शनिक से आगे बढ़कर समाज सुधारक इसलिए थे, क्योंकि उन्होंने भारतीयता के दर्शन को अपने कृतित्व से फलीभूत किया। इस मौके पर अन्य सदस्य रविन्द्र ठाकुर पूर्णकालिक कार्यकर्ता स्वाबलंबी भारत अभियान, दीपक मिश्रा जिला मंत्री भारतीय मजदूर संघ, शुभ शर्मा नगर मंत्री अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, आकाश जैन, सुमित, समीर, अभिषेक, मानशु कोष्ठी, मोहित साहू, ज्योति रैकवार, उमा पटेल, आकांक्षा नामदेव, सोनू नामदेव, अरविंद अहिरवार आदि उपस्थित रहे।

'सेवा प्रवाह पुरोधा' सम्मान से कपिल मलैया जी को नवाजा गया



सांसद राजबहादुर सिंह से सम्मान लेते हुए कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत

सागर विश्वविद्यालय के संस्थापक दानवीर डॉ. हरीसिंह गौर की 154वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रवाह समिति प्रत्येक वर्ष सांस्कृतिक, साहित्यिक, सामाजिक गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करती आ रही है। इस वर्ष सामाजिक क्षेत्र में विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया को 'सेवा प्रवाह पुरोधा' सम्मान 2023 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने ग्रहण किया। इस अवसर पर समिति सदस्य राहुल अहिरवार उपस्थित रहे।

0 से 16 वर्ष के बच्चों को नि:शुल्क पिलाया स्वर्ण प्राशन

पंचकल्याणक महोत्सव पर भगवान के जन्म कल्याण के पावन अवसर पर शांतिधारा गिर गौशाला में निर्मित स्वर्ण प्राशन नि:शुल्क 0 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों को पिलाया। विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष स्नीता अरिहंत ने स्वर्ण प्राशन की जानकारी देते हये बताया कि यह स्वर्ण प्राशन हजारों वर्षों से ऋषि मुनियों द्वारा बताए गए पवित्र 16 संस्कारों में एक महत्वपूर्ण संस्कार है। जिसमें शिशुओं को स्वर्ण, घी एवं अनेक औषधियों का मिश्रण दिया जाता है। स्वर्णप्राशन जन्म से 16 वर्ष की आयु तक प्रत्येक पुष्य नक्षत्र या शुभ मुहूर्त से प्रारंभ करके न्यूनतम 45 दिन या अधिकतम 6 माह तक लगातार देना है। स्वर्णप्राशन से बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढती है। शारीरिक और मानसिक विकास होता है। मौसमी बीमारियों से रक्षा होती है।



समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत बच्चों को स्वर्ण प्राशन पिलाते हुए।

बच्चों की स्मृति क्षमता बढ़ती है। हिंडुयों की मजबूती बढ़ती है। पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। महिलाएं अपने बच्चों के लिए यह स्वर्ण प्राशन स्वदेशी वस्तु भंडार कटरा बाजार सागर से ले सकती हैं।

मीडिया कवरेज

संडे पॉजिटिव • विचार समिति ने 1500 से ज्यादा महिलाओं को गौमय उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण और रोजगार दिया

58 महिलाओं ने लिया प्रशिक्षण, 12 ने शुरू किया खुद का रोजगार

भारकर सवाददाता | सामर

महिस्ताओं को स्वमाजिक-आर्थिक रूप से सराका और जानरूक करने के उदेश्य से पिछले दिनों विचार स्मेति ने 1500 से ज्वादा महिसाओं को गीमय उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण और रोजगार दिया देनिंग में महिसाओं को स्वरोजगार स्थापित करने प्रोत्साहित भी किया।

पहिलाओं पर इसका इतना जानस्तरता प्रभाव हुआ कि जिन 58 पहिलाओं को स्वारंजणार स्वाधिक करने प्रहित्वाओं दिखा गांव उनमें से 12 पहिलाओं ने स्वारंजणार स्वाधिक कर 5 से 10 हजार रुपए आमदनी कमाना रहुरू कर दिखा है। गारिताओं को पिछले साल स्वाधिक की सालकी सोसाय किलानों को कोस्ट एलावेस ने स्वारंजणार स्वाधिक कोस्ट एलावेस ने स्वारंजणार स्वाधिक कारने के लिए 15-15 हजार रुपए की आर्थिक स्वारंज के खुद खोला ब्यूटी पार्लर, ट्रेनिंग भी दे रहीं

निवासी प्रश्न साह ने वातवाय प्रहार का काम जनती थीं। रेजिन स्वरोजगार स्थापित करने की टिम्मन नहीं जुटा पा रही थीं। समिति के प्रशिक्षण में मेंने अपनी संस्था को और मोहतर तरीकों से जाना। मैंने क्यूटी प्रवर्शर स्थापित हिल्ला मुख्यात में थोड़ी प्रश्नानी हुई। लेकिन भीरे-भीर क्या मितने ब्ला अब इसमें

कमा लेती हूं। किशोरियों को

भी प्रशिक्षण दे रही है।

दोना-पत्तल बनाए, रांप्पनी से अनुबंध भी हुआ तिलक्गंज बार्ड निकासी संख्या

राय से समया कि आर्थिक तंगी से परिवार की सामान्य जरूरतें पुरी नहीं हो पातीं। मैंने समिति के प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। पिछले माह से कागज के दोना-पत्तल बनाना शुरू किया। मशीन ऑटोमैटिक है। काम में पूरा परिवार सहयोग करता है। उत्पाद खरीदने के लिए निजी कंपनी से एक साल का अनुबंध हुआ है। स्थानीय दुकानों पर भी बात की है। 5 से 10 हजार रुपए की मासिक आय होने लगी है।

साड़ी की दुकान होती, पीकू-फॉल का काम भी कुतसीनगर निवासी ममत

बहुत्य कि महंगई के इस देर में पर चलाना चलता मुक्तिन की सामित्र के प्रति देश में पर चलाना चलता मुक्तिन की सामित्र के प्रतिकाशना में मुझे मोज पित्र की प्रतिकाशना में मुझे मोज प्रतिकाशना मानता है। मैंने साड़ियों की दुकान सोमले। एक्टर्स कार्ड को मोजिलाओं को साड़ियों लोने के लिए बाजार जाना पड़ता था। अंच एक जी जात साड़ियों लोने के लिए बाजार जाना पड़ता था। अंच एक जी जात साड़ियों के अलावा पीत्र ए फॉल, ब्लाड ज तथा। अस्तर आहे पित्र जाता है अलावा प्रतिकाशना की कार्य की

फुलकी बनाकर हर माह कमा रही 5-6 हजार जिलकर्गन वार्ड निवासी दोपती

प्रोप्त ने बतवा

कि आर्थिक तंभी से घर का खर्च और बब्बों को जन्मी पर्यवित्त नहीं हो पाते थी। मैंने सोचा की कुछ काम में भी जुरू करूं लिकन समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूं। तभी विवादा संस्था का प्रिरक्षण पुरु कुआ में मार्थील से जुड़ी और स्थरोजगार की ट्रेनिय तही। आज में घर बैठ पुरुक्ती बजनो काम कर रही हूं। इससे मुझे 5 से 6 हजार रुपर मार्सिक आस्टनी हो जाती है। जनरल स्टोर-बुटिक को बनाया कमाई का जरिया भगवानगंज निवासी अनीता

चौधरी ने बताया मैंने एक छोटे से कोने में दुकान की शुरूआत की। लेकिन आमदनी खास नहीं थी। प्रशिक्षण में व्राहकों की पहचान, उनकी आवस्यकताएं, बाजार व्यवस्था और व्यवहार कुशलता सीखी। आज पूरी दुकान कई आइटम से भरी है। आस-पास के क्षेत्र की महिलाओं को उनकी जरूरत का सामान मिल जाता है। सभी खर्च काटकर माह में 6 से 10 हजार रुपए तक बच जाते हैं।

हम स्थानीय उत्पादों को बढावा दे रहे

 मेरा लक्ष्य महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है। इसी उद्देश्य को लेकर समिति समय-समय पर महिलाओं के लिए प्रशिक्षण आयोजिन करती है। खुशी की बात यह है कि महिलाओं को इनका लाभ भी मिल रहा है। समिति गोमय परियोजना, हथकरपा एवं अन्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। यह स्वरोजगार के लिए मील का पत्थर साथित होंगे। - कपिल मलैया,

severe forcer relate

स्वस्थ रहने के लिए लोगों ने किया उचित योग और व्यायाम

आमदनी हो जाती है।

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक रताजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह 7 बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरू डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरिथनम द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारित्य ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल

मलैया ने बताया कि मैं 6 माह से

डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरथिनम और डॉ. सौरभ भारिल्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में

सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोना काल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था। अब वह भी कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे। लेकिन उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई। बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है।

चैकअप कैंप में डॉ. बबीता बशीर, डॉ. संधिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीत अरिहंत, संघ्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज-प्रीति जैन, नीलू सागर सहित बड़ी संख्या में लोगों ने योग शिविर का लाभ उठाया।

विचार समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया

सागर, देशबन्धु। विचार सिमित द्वारा मैंजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरू डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरिधनम द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेदावारं डॉ. सार्थ्य परीक्षण केया। विचार समिति

अध्यक्ष किपल मलैया ने बताया कि मैं छह माह से डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरिथनम और डॉ. सौरभ भारित्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसूस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था वह कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे परंतु उचित



योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। चैंकअप कैंप में डॉ. बबीता बशीर, डॉ. सेंथिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज प्रीति जैन, नीलू सागर आदि ने योग शिविर का लाभ उठाया।

विचार समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया



परिहार गर्जना न्यूज। सागर। विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्वम आयुर्वेट चिकित्स्ता केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परिक्षण का आयोज किया गया। योग पुरु कर ही, प्रकाशित मुनिरिक्षना द्वारा योग कराया गया। आयुर्वेटाचार्य डॉ. सीरभ भारित्य ने निशुक्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। विचार समिति अध्यक्ष कपित मलिया ने बताया कि मैं छह माह से डॉ. पुरुषोत्तम मुनिरिक्षनम और डॉ. सीरभ भारित्य के मार्गट्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिर मिरस्य के मार्गट्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिर मिरसुस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था वह कम हो गया है। पूर्व में बजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे परंतु डीव्स योग और व्यायाम से वज्य भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। आप सभी से आग्रह है कि इस आयुर्वेट संस्थान से स्वास्थ्य लाभ हो। विकाश कैया। इस अवसर पर सुनीत वशीर, डॉ. सींथल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीत अरिहंत, संध्या रांधिलया, ज्योति सराफ, मनोज ग्रीत जैन, नीलू सारा, रजनी जैन, सुर्थिर लंग, स्वू स्वेत, आलोक जैन, नेन्द्र साह मीजुट रहे।

मीडिया कवरेज

स्वरोजगार : विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं के प्रशिक्षण का समापन

व्यवसाय आत्मविश्वास और प्रसन्नता से किया जाए तो सफलता निश्चितः मलैया

भारकर संवाददाता | सागर

विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया । समापन समारोह में प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इन महिलाओं ने मारूति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपडे, इडली, डोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे। स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम

में विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढ़नी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते हैं उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, ध्यान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकडों उदाहरण हैं जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज वे सफल हैं। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है।



ਪੁਗਿਆ। ਸ਼ੇਂ ਹਵ ਕਰਾ ਟਿਹਾ जाएगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुणवत्ता रहेगी तो हमेशा चलेगा। समिति कार्यकारी

अध्यक्ष अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं।

अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा।

क्वेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लवी ने कहा कि क्वेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रूचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें । उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की इस दुनियां की सभी समस्याओं का जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है। आय एवं व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर

परियोजना क्येस्ट एलाइंस सहयोगी प्रांजल ने कहा कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को भविष्य में सक्षम बनने में मदद करेंगे। समिति सदस्य पूजा प्रजापति ने सहयोग दिया।

इस अवसर पर संध्या लांबा यास्मीन वानो, सुषमा पटेल, अंजली पटैल, सुनीता चीरसिया, डाली पटेल, राधा पटेल, रिंकी पटैल, ममता रैकवार, राजकुमारी रैकवार, रजनी मिथलेश विश्वकर्मा, संगीता प्रजापति, अंजना पटैल, ज्योति कुशवाहा, सरोज पटैल, निशा सोनकर, नीतु कशवाहा, रीना पटैल, नीलम पटैल, हुँद्रा पटैल, खुशी अहिस्वार, उमा पटैल, आकांशा नामदेव, कविता पटैल, प्रीति चौरसिया, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार आदि महिलाओं ने स्वरोजगार का प्रशिक्षण लिया।

विचार समिति ने योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया



जनविंगारी- 9302303212

सागर। विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरतम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे वोग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। योग गुरू डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरिधनम द्वारा योग कराया गया। आयर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारिल्य ने निशलक स्वास्थ्य परीक्षण किया।

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मैं वह माह से डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरधिनम और डॉ. सौरभ भारिल्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्यादा फिट महसस कर रहा हूं। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत बढ़ गया था वह कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने से कमजोरी महसूस करते थे परंतु उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबत हो रहा है। आप सभी से आग्रह है कि इस आयुर्वेद संस्थान से स्वास्थ्य

चैकअप कैप में डॉ. बबीता बशीर, डॉ. सेंधिल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया।

इस अवसर पर सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया, ज्योति सराफ, मनोज प्रीति जैन, नील सागर, रजनी जैन, सुधीर जैन, मंजू सतभैया, मंजू जैन, आलोक जैन, नरेन्द्र साहू, ज्योति जैन, अनुराग विश्वकर्मा, मयंक जैन, आशीष पाठक, शकुंतला जैन, मुक्ता जैन आदि ने योग शिविर का

पक:- स्व.बीर सिंह फीहार चीका संपादक - राजवाबु सिंह फीहार वी. 9755204916 वर्ष 12 अंक 120 वनरपुर, रविवार 26 नवस्वर 2023

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है - कपिल मलैया विचार समिति एवं क्रेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन संपन्न

ल्यवस्थाय पुनना और आगे बढाने के लिए मटट कर रहे हैं। प्रति

क्षेत्रट एलाइंस के संयक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका आज - हमारा उदेश्य है कि सभी महिलाएं आव्यविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्विषकोट और स्मृति चिक्त देकर सम्मान किया गया। इन महिलकों समायोजित कर सकें। ब्रेन्ट एलाईम के परियोजना सहयोगी पालाी ने

व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, उजी कपडे, इडली, डोकला, घेलपूरी और चाप के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे। स्वरोजनार प्रक्रिशन की अधिक जानकारी देते हुए क्रिकार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने

महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत हर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसर के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता फिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज बूंतनी है। ज्याचर में उतार- चढाव आते है उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चनीती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता सापने सैकडों उदाहरण हैं जिन्होंने छोटे रूप में स्वरोजगार की शुरुआत की और आज ये सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनियां की सभी समस्याओं का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको हो खोजना है। व्यवसाय में गुणकता रहेगी तो हमेशा चलेगा। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता ऑस्ट्रेत ने कताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनीती है रोजगार की। बड़ी आबारी के साथ में इस केवल नौकरी पर निर्धर नहीं रह सकते। इस

साथ-साथ उन्हें व्यावहारिक बाजार से जोड़ता भी मुख्य भूमिका में है। जीवनयापन कर सके। कठिन से कठिन परिस्थित में खुद को

जानकारी देते हुए कहा कि क्षेत्रर प्रनार्थम ब्रीकल विकास के उपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनन है कि यह आज के समय के अनुरूप काम कर पार, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थञ्चवस्था को मजबत कर

में महिलाएं अपने बारे में जान फार्वे। अपनी रूपि के अनुरूप व्यवस कर सकें । उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुदाना है। माबेंट में कैसे जगह बनानी है। आप एवं रुपय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम निचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं। क्रेनट एलाईर परियोजना महायोगी प्रांजल बजते हैं कि आव्यविश्वास सफलना की बोजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में बहुय आजा है। शिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सक्तम बनने में मटट करेंगे। इस कार्यक्रम में विचार समिति सदस्य पूजा प्रजापति का सहयोग रहा । इस अवसर पर संध्या लांबा, व्यवसीन बातो, सुचमा पटेल, अंजली पटेल, सुनीता चीरसिया, डाली पटेल, राधा पटेल, रिंकी पटेल, ममता रैकवार, राजकुमारी रैकवार, रजनी मिथलेश विश्वकर्मा संगीता प्रजापति, अंजना परेल, ज्योति कुशवाहा, सरोज परेल, निशा सोनकर, नीत् कुशवाहा, रोना परेल, नीलम परेल, इंडा पटैल, खुशी ऑहरबार, उमा पटैल, आकांशा नामदेव, कविता पटेल. प्रीति चौरसिया. भारपश्ची राष. ज्योति रेककार आदि महिलाओं



विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस एलाईस के संयुक्त तत्वाक्यान में महित्ताओं को पांच दिवसीय स्वरोजनार प्रशिक्षण विच्या को पांच दिवासिय वारोजालय प्रतिकास विचार कर्मालय में दिवास प्रातिकार अत्रा मान्य हुआ हुआ असार पा प्रतिकास के मान्य स्थानकार्य कार्योजियक और मान्य दिवास मान्यति मीला मान्य हुआ हुआ अस्ति पित्य देशर पाम्यति मिला पाया हुआ अस्ति मीला मान्य मान्यति मीला में कार्या अस्ति कार्या कार्या प्रतास्थ्र सामान्य में मिला पुन्यति, असी मान्ये, हुआ हुआ कार्या मान्या मान्या मान्या सामान्य प्रतास्थ्र मान्या मान्या मान्या स्थानकार प्रतास्थ्र मान्या मान्या मान्या स्थानकार प्रतास्थ्र मान्या मान्या



मा संभव जाती है पर परिचाम आज हमारे सम्मर्थ है। इस हुमें को की समस्यकों के स्था आत होटे-डोटे उडोटों में ही होटा उडिक्का में मार कहा दिना उन्हेंच आवसात है। में मार कहा दिना उन्हेंच आवसात है। आपने हैं होतान है। जनसात में मुक्ता आपने हैं होतान है। जनसात में मुक्ता स्थाति करनेकार के उन्हां स्थान सम्मर्थ में मुन्तीह है देनतार की पहुँची आपने के साथ में कर केवार की आप होटे आपने के साथ में कर केवार निकास की पहुँची आपने के साथ में कर केवार निकास की पहुँची आपने के साथ में कर केवार निकास की मही आपने के साथ में

संपन्न विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन संपन्न

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है : कपिल

विच्यार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्कायकान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वतेजना प्रतिक्षण विश्वार व्यक्तंत्रय में दिया गया जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर प्रतिक्षण ले रही महिलाओं का गया। इन महिल्काों ने मानदि शोरूम के स्टापने परबर्धे. अने कपड़े, इतली, खेकला, भेलपरी और राय के स्टाल लगकर ग्राहकों के मुझाव समझे। स्वयेजवार प्रतिश्वण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मतीया ने महिलाओ

इसलिए व्यवसाय बहत दर के नहीं करना है। व्यवस्तय को जब आत्मियरचास और प्रसवता के साथ किया जाता है तो ऑधक सरस्तता मितती है। तह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज इंडनी है। व्यापर में उत्तर- पदाय आते है उनमे साने की जरूपत नहीं है। व्यवसाय में चुनीती हमेशा अवसार लेकर आदी है। अवर ध्यान रखें तो होता है। आज हमारे मामरे मीकामें उत्पादक है जिन्होंने खेटे रूप में स्वयंजनार की शुरुआत की और आज के सफान है। जब हमने गोबर का दिख बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिचाम आज हमारे सामने हैं। इस चुनियां की सभी



प्रतिश्रम में यह बता दिया जायेग व्यवसाय फैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्य

ही खोजना है। व्यवस्त्रय में गुणवता रहेगी तो हमेशा चलेख। स्वीमीत कर्यकारी अध्यक्ष सुनीता ऑस्ट्रेट ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बढ़ी चुनीती

नीकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लवातार महिलाओं को प्रतिधित कर रहे हैं उनको स्वरोजगर के क्षेत्र में व्यवस्थय भुतना और आगे बद्धने के लिए मदद कर रहे हैं। प्रतिचन के साथ-साथ उन्हें व्यायहारिक बाजार से

जोड़न भी मुख्य भूमिका में है। हमारा उदेश्य है कि सभी पहिलाएं आत्वविकवास के साथ सम्बान र्वक जीवनवापन कर सके। कठिन से कठिन पर्रिस्थित में खुद को समाचेजित कर सकें (होस्ट एलइंस के परियोजना सहयोगी पत्तवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्रेस्ट एलाइंस कीशल महिलाओं को इस काबिल बनना है कि यह आज

से सक्ष्म हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रतिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी कथि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें । उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जनत बनानी है। अहम एवं न्यम का लेख जोरज्ञ कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की महद कर रहे हैं। क्रेस्ट एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल कहते है कि आत्पविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्यीयरुवास जीवन में सही निजंद लेने में व

मीडिया कवरेज

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है : कपिल मलैया

विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का समापन

सागर। विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजनार प्रतिश्रम विन्तर कार्यालय में टिवा गया। जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर प्रतिश्रम ले रही महिलाओं का सर्टिकिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने 💂 मानति शोसम के सामने व्यवहारिक बाजर व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, डोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर प्राहकों के

सुझाव समझे। स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष करिश मशैय ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत डर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है. तो अधिक रायत्वना विवती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज दूदनी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते है। उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है, मान न रखा जाय तो तनाव होता है। आज हमारे सामने सैकारों उदाहरण हैं जिन्होंने खेटे रूप में स्वरोजगर की शुरू-आत की और आज ये सफल है। जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कड़ा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सहमने है। इस दुनियां की सभी समस्याओं का अंत खेटे-खेटे उद्योगों से ही होगा।



प्रशिक्षण में यह बना दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुजबता रहेगी तो हमेशा चलेगा। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता औरहाँत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनीती है रोजनार की। बड़ी आबादी के साथ में इस केवल नौकरी पर निर्भर

नहीं रह सकते। हम लवातर महिलाओं को प्रतिधित कर रहे हैं उनको स्वरोजनार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे कदाने के लिए मदद कर रहे हैं। प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें व्यायहारिक बाजर से जोड़ना भी मुख्य भूमिका में है। हमारा उदेश्य है कि सभी महिलाएं आत्मविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक जीवनवापन कर सके। कठिन से कठिन परिस्थित में खुद को मामचेतित कर सके।

क्वेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पल्लाबी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्वेस्ट एलाईस कीताल विकास के उत्पर कार्य करती है। बबाग उदेश्य वह आज के समय के अनुरूप काम कर चार, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पार्चे। अपनी रुचि के अनरूप व्यवसाय कर सकें। उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जारी है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मानेट में फिसे जगह बनाने है। आयू एव व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। इस विचार समिति के माध्यम से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं। क्वेस्ट

एलाइंस परियोजना सहयोगी प्रांजल कहते हैं कि आत्मिक्श्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मिक्श्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सक्षय बनने में मदद

इस अवसर पर संध्या लांबा, यारमीन बानो, गुपमा पटेल, अंजली पटेल, सुनीता चौरशिया, डाली प राजा पटेल. रिकी पटेल, मगता रैकवार, राजकमारी रैकवार, रजनी मिथलेश विस्वकर्मा, संगीता प्रजापति अंजना पटेल, ज्योति कुशवाता, सरोज पटेल, निश सोनकर, नीत् कुशवारा, रीना पटेल, नीलम पटेल, इंडा पटेल, खुशी ऑहरवार, उमा पटेल, आकांक्षा नामदेव, रुविता पटेल, प्रीति चौरसिया, भाग्यश्री राय, ज्योति रैकवार आदि महिलाओं ने स्वरोजवार का प्रशिक्षण लिया इस कार्यक्रम में विचार समिति सदस्य पूजा महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने प्रशिक्षण दिया

व्यवसाय में सफलता की चाबी है आत्म विश्वास और प्रसन्नता : मलैया

क्रेस्ट एलाईस के संयुक्त तत्वाक्यान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्कोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया। समापन कार्यक्रम में प्रशिक्षण ले रही चारिताओं का सर्विशिक्येट और स्मृति विकट देवार समाध्या निवास निवास गाव विकास सर्विता अध्यक्ष करिया ने विदेश महिलाओं का उक्ताव कर्मने करते हुए कहा व्यवसाय खेला के बीता है। कभी हमारे पढ़ा में क्षेत्र की कर्म की हा कभी हमारे पढ़ा में क्षा नहीं, आस्त्रिका व्यवसाय स्मृति हमें नहीं, आस्त्रिका और प्रसादा के स्माप्त हमारा जाए की स्मृति हमारा क्षा कर्म कर्म क्षा कर्म कर्मा हमारा हमारा हमारा करते हमारा अध्यक्ष स्मृति हो। सरहाद सम्बद्धी ही, अध्यक्ष स्मृत्य हमारा क्षा क्षा क्षा कर्म क्षा हमारा पहिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मति



हमारी संस्था कौशल विकास पर कार्य करती है। हमारा उदेश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर, आर्थिक रूप से सक्षम हे सके। क्रेस्ट एलाईस परियोजन सहयोगी प्रांजल ने कहाआत्मविश्वास सप्तर है। जब हमेंने गोंबर का रिश्व बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे समाने हैं। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहत ने कहा आज हमारे सामने सबसे बड़ी जुनीतों हैं रोजगार को। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्मार नहीं रह सकते। हम हमाराव प्रहिल्लाओं को पंजिसिक आत्मावश्वास आवन में सहा । । १००५ लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सक्षम बनने में मदद करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विचार समिटि की सदस्य पूजा प्रजापति का सहयोग रहा। कार्यक्रम में संध्या लांबा, यास्मीन रहा। कावक्रम म सच्या ताब, यासा-ब्राने, सुपमा पटेल, अंजली पटेल, सुनीत चौरसिया,जली पटेल, राजा पटेल, रिंक पटेल, ममता रेकवार, राजकुमारी रेकवार, रजनी मिथलेश विश्वकर्मा सहित अन् महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया। लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बदाने के लिए मदद कर रहे हैं। क्षेस्ट एलाइंस

योग शिविर और स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन

विचार समिति द्वारा मैजेस्टिक एलाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ मिलकर सुबह सात बजे योग शिविर एवं किया गया। योग गुरू डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरिधनम द्वारा योग कराया गया। ायुर्वेदाचार्य डॉ. सौरभ भारिल्य ने निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मैं छह माह से डॉ. पुरूषोत्तम मुनिरचिनम और डॉ. सौरभ भारित्य के मार्गदर्शन में योग कर रहा हूं। अभी तक की उम्र में सबसे ज्वादा फिट महसूस कर रहा है। कोरोनाकाल में मेरा वजन बहुत



बद गया था वह कम हो गया है। पूर्व में वजन कम होने में कमजे महसूस करते थे परंतु उचित योग और व्यायाम से वजन भी कम हुआ और कमजोरी भी नहीं आई बल्कि शरीर मजबूत हो रहा है। आप सभी से आग्रह है कि इस आयुर्वेद संस्थान

स्वस्थ रहने का सरल तरीका

से स्वास्थ्य लाभ लें। चैकअप कैप में डॉ. क्वीता क्शोर, डॉ. सॅविल कुमार, डॉ. शुभी जैन ने सहयोग किया। इस अवसर पर सुनीता अरिहेत, संख्या रॉपेल्बा, ज्योति सराक, मनोज प्रीति जैन आदि ने

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और पसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है: कपिल मलैया

सागर दिनकर

सागर। विचार समिति एवं सहयोगी संस्थान क्रोस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं को पांच दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका आज समापन हुआ। इस अवसर पर पशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। इन महिलाओं ने मारुति शोरूम के सामने व्यवहारिक बाजार व्यवस्था समझने के लिए फुल्की, ऊनी कपड़े, इडली, बोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सुझाव समझे।

स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी देते हुए विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने महिलाओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे पक्ष में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत हर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती है। सलाह सबकी ले, उसमें हमें अपने काम की चीज ढूंढ़नी है। व्यापार में उतार- चढ़ाव आते हैं उनसे घबराने की जरूरत नहीं है। व्यवसाय में चुनौती हमेशा अवसर लेकर आती है। अगर ध्यान रखें तो रास्ता निकलता है,

तो तनाव होता है। अग्रज हमारे सामने सैकडों उदाहरण है जिन्होंने छोटे रूप में की स्वरोजगार शुरु आत की आज वे सफल है।

जब हमने गोबर का दिया बनाया तो सभी ने कहा यह संभव नहीं है पर परिणाम आज हमारे सामने है। इस दुनियां की सभी समस्याओं का अंत छोटे-छोटे उद्योगों से ही होगा। प्रशिक्षण में यह बता दिया जायेगा व्यवसाय कैसे करना है, क्या करना है, लेकिन व्यवसाय आपको ही खोजना है। व्यवसाय में गुजवता रहेगी तो हमेशा चलेगा।

समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है। रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी पर निर्भर नहीं रह सकते। हम लगातार महिलाओं को प्रशिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में व्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं। पशिक्षण के साध-साध उन्हें व्यावहारिक बाजार से जोड़ना भी मुख्य भूमिका में है।



आत्मविश्वास के साथ सम्मान पूर्वक जीवनवापन कर सके। कठिन से कठिन परिस्थित में खुद को समायोजित कर सकें।

क्रेस्ट एलाइंस के परियोजना सहयोगी पक्कवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्रेस्ट एलाइंस कौशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उद्देश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुरूप काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रशिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पायें। अपनी रुचि के अनुरूप व्यवसाय कर सकें। उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जुटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है।

योग जरूर करें : कपिल



शिविर लगाया

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

विचार समिति ने रविवार को तिलकगंज वार्ड में स्थित मैजेस्टिक प्लाजा में शांतिरत्नम आयुर्वेद चिकित्सा केंद्र के साथ सुबह सात बजे योग शिविर एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन विचार समिति से

योग गुरू डॉ पुरूषोत्तम मुनिरिधनम ने उपस्थित जनों को योग कराया।

आयुर्वेदाचार्य डा. सौरभ भारिल्य ने निशल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया में छह माह से डा.पुरूषोत्तम मुनिरिधनम और डा.

फ्टि महसूस कर रहा कोरोनाकाल में मेरा वजन बढ़ गय था, जो योग करने से कम हो गया है योग और व्यायाम से वजन कम हुआ, कमजोरी भी नहीं आई बल्बि शरीर मजबूत हो रहा है। आप सर्भ आयुर्वेद संस्थान से स्वास्थ्य लाध लें। चैकअप कैंप

में डा. बबीत बशीर, डा. सेंथिल कुमार, डा. शुर्भ

जैन ने सहयोग किया। शिविर मे सुनीता अरिहंत, संध्या रांधेलिया ज्योति सराफ , मनोज प्रीति जैन नीलू सागर, रजनी जैन, सुधीर जैन मंजू सतभैया, मंजू जैन, आलोक जैन, नरेन्द्र साह, ज्योति जैन, अनुराग

व्यवसाय को जब आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ किया जाता है तो अधिक सफलता मिलती हैः कपिल मलैया

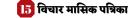
सागर, देशबन्धु । विचार समिति एवं सहयोगी रंखान क्षेत्रट एलाईस के संयुक्त तलावधान में सरकार क्रन्ट एउड्स के संयुक्त उत्पादकार म महिलाओं को चांच दिवसीय स्वरोजगर प्रशिक्षण विचार कार्यालय में दिया गया जिसका रुनिवार को समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण ले रही महिलाओं का सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया ।इन महिलाओं ने मारुर्ति शोरूम के सामने व्यवसारिक बाजार व्यवस्था समझने के ए फुल्की, कनी कपड़े, इंडली, बोकला, भेलपुरी और चाय के स्टाल लगाकर ग्राहकों के सझाव समझे। स्वरोजगार प्रशिक्षण की अधिक जानकारी ६त हुए त्रचार सामाज अञ्चय कपरत महत्या न महिलाओं का उत्पाह वर्धन करते हुए कहा कि व्यवसाय खेल के जैसा है। कभी हमारे एक्से में तो कभी नहीं, इसलिए व्यवसाय बहुत इर के नहीं करना है। व्यवसाय को जब



और आज ये सफल है। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है रोजगार की। बड़ी आबादी के साथ में हम केवल नौकरी आरमीवश्वास और प्रसम्भाव के साथ किया जाता है तो अधिक आत्यावश्वास आर प्रसारता के साथ क्या जाता है तो आपके सकरता मिलती हैं। सलाह सबकी लें, उसमें हमें अपने काम की चीज बूंड़नी हैं। ज्यापत में उतार ज्याय आते हैं उनसे घबराने की जरूरत नहीं हैं। आज हमारे सामने सैकड़ों पर निर्भर नहीं रह सकते। हम त्लातार महिलाओं को प्रतिक्षित कर रहे हैं उनको स्वरोजगार के क्षेत्र में ज्यवसाय चुनना और आगे बढ़ाने के लिए मदद कर रहे हैं। क्षेस्ट

एलाइंस के परियोजना सहयोगी पाडवी ने जानकारी देते हुए कहा कि क्रेन्ट एलाइंस कीशल विकास के ऊपर कार्य करती है। हमारा उदेश्य महिलाओं को इस काबिल बनना है कि वह आज के समय के अनुस्प काम कर पाए, आर्थिक रूप से सक्षम हो सके। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर पाएं। इन पांच दिनों के प्रतिक्षण में महिलाएं अपने बारे में जान पार्थ। अपनी करिय के अनुरूप व्यवसाय कर सकें। उसके साथ व्यवसाय में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की जाती है कि हमें सामान कहां से जटाना है। मार्केट में कैसे जगह बनानी है। आप एवं व्यय का लेखा जोखा कैसे तैयार करना है। हम विचार समिति के माध्यम

जाव्या करत तथार करण है। हम विचार सामाज के भाजप्र से इन महिलाओं की मदद कर रहे हैं। क्रेस्ट एलाईस परियोजना सहयोगी प्रोजल कारते हैं कि आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है। यही आत्मविश्वास जीवन में सही निर्णय लेने में काम आता है। प्रशिक्षण में हम उन गुणों पर काम करने वाले हैं जो महिलाओं को आने वाले भविष्य में सभा चनने में महर करेंगे।



हमारे सहयोगी



























































निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें। दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है।

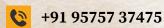
Bank A/c Name - Vichar Samiti Account No. - 37941791894 IFSC Code - SBIN0000475 Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे।

Bank - State Bank of India



-: संपर्क :-





linkedin.com/in/vichar-samiti

samiti.vichar@gmail.com

www.vicharsamiti.in

Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002 मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर